

of India to the Ministry of Tourism and Civil Aviation has high-lighted the urgent need to build new international and domestic passenger terminals at all four international Airports, Delhi, Bombay, Calcutta and Madras which are presently at saturation point with more passengers pouring in then they were designed to handle; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) and (b). The urgent need to develop Delhi, Calcutta, Bombay and Madras airports for the increasing international and domestic traffic has been brought to the notice of the Government by International Airports Authority of India through various plan proposals. In the 1978—83 plan for the International Airports Authority of India, approved by the Government, there is provision for construction of new terminals at Delhi, Bombay and Madras airports.

The First Phase of a separate international passenger and cargo terminal at Bombay Airport is already under construction and is likely to be given a trial run in October 1980.

दिल्ली में कार्डधारियों के लिए नियंत्रित कपड़े की सप्लाई

3960 श्री निहाल सिंह : क्या नागरिक प्रति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ऐसे गैर सरकारी दुकानदार, जिन्होंने राजधानी में नियंत्रित कपड़े का कोटा लिया हुआ है, तीन महीने में केवल 50 प्रतिशत कार्डधारियों को ही नियंत्रित कपड़ा देते हैं शेष 50 प्रतिशत कार्डधारियों को अगले तीन महीने में; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई जांच पड़ताल की है ?

नागरिक प्रति मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) :

(क) और (ख) : नियंत्रित कपड़ा वितरण के लिए

निजी दुकानदारों को आवंटित नहीं किया जाता है। इसका वितरण केवल सहकारी भण्डारों के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक खाद्य कार्डधारी, जिसकी मासिक पारिवारिक आय 800 रु प्रति माह से कम है, तीन महीने में एक बार 10 मीटर नियंत्रित कपड़ा खरीद सकता है। इसके वितरण की प्रवृत्ति दिल्ली में नियंत्रित कपड़े का आवंटन तथा उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए दिल्ली प्रशासन द्वारा तय की जाती है।

खानों से हीरों का निकाला जाता

3961 श्री निहाल सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों के दौरान खानों से कितने हीरे निकाले गये तथा प्रत्येक देश को कितने-कितने मूल्य के हीरे और आभूष बेचे गये, और

(ख) आजकल कौन-कौन सी फर्म हीरे तैयार करने का काम कर रही हैं और अब तक विदेशों को कितने मूल्य के तैयार और गैर-तैयार किस्म के हीरों का निर्यात किया गया है ?

परिणाम तथा इस्पात और खान मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) : जानकारी प्राप्त की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Malpractice in Tariffs by Foreign Airlines

3962, DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have found malpractices in tariffs by foreign airlines operating to and from India;

(b) if so, the names of such international Airlines who have rejected the "operation clean market" in tariffs;

(c) the estimated annual loss to Indian Airlines business due to such undesirable practice of under cutting tariffs; and

(d) the steps taken by Government to solve this problem?